SRI SHARADA COLLEGE, BASRUR





(Re-Accredited by NAAC: B++)

Student Project

Topic: A study on "Karantha Theme Park"

Submitted by,

ARPITHA M. G. III BA
SINCHANA SHETTIGAR III BA
KEERTHI SHETTY III BA
DEEKSHITHA I BA
RASHWATH I BA

Submitted To,

Smt Mamatha
Asst. Professor in Kannada
Sri Sharada College, Basrur

का. जिळांवाळां सर्वव्यं स्थास

ಪ್ರಭವಸ್ಥಿಗೆ ಹುಳುತ್ತಿ ಪುರುತ್ತ ಪುರುತ್ತಿನ್ನು ಪುರುವತ್ತು ಹುಣ ಕುರುತ್ತ ಕುಣ ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಹುಡುತ್ತು ಹುಡುತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪುರುತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತು ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ ಪ್ರಭಾವತ್ತಿ

काम न्याया द्वित्रीयम् वे कालवाद्याः व्यवित्र प्रविद्याः कालवाद्य व्यवित्र व्यवित्र प्रविद्याः कालवाद्य व्यवित्र वित्र वित्र

व्यक्तियाण्या स्थान व्यक्तिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिय स्थानिय

- ट्याकी प्राथित खादीशास्त्र भाषायाः अस्ति क्ष्मितियम् क्ष्मिक्षित्र भाषायाः - ब्रिक्ट क्ष्मिक्ष्मि स्थान्य क्ष्मिक्ष्मिक्ष्मि । प्राथित क्ष्मिक्षि क्ष्मिक्ष्मि । - ब्रिक्ट क्ष्मिक्ष्मि स्थान्य क्ष्मिक्ष्मिक्षिक्षिक्षित्र । प्राथित क्ष्मिक्षि क्ष्मिक्षि । - व्याप्ति क्ष्मिक्ष्मे स्थान्य क्ष्मिक्षिक्षेत्र । प्राथित क्ष्मिक्षिक्षेत्र । प्राथित क्ष्मिक्षिक्षेत्र । - व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र विविधित क्ष्मिक्षित्र । प्राथित क्ष्मिक्षित्र । प्राथित क्ष्मिक्षिक्षेत्र । - व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र विविधित क्ष्मिक्षित्र । प्राथित क्ष्मिक्षित्र । व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र । - व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र विविधित क्ष्मिक्षित्र । व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र । व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र । - व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र विविधित क्ष्मिक्षित्र । व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र । व्याप्ति क्ष्मिक्षित्र विविधित विविधि

मान्यात्त्र , ज्याप्युरि इप्याप्त्रात्र क्राण्यात्त्र वित्रम्य इप्राच्नात्र अवस्त्र अवस्त्रम्य क्राण्यात्र वित्रम्य व्याप्त्रम्य वित्रम्य वित्रम्य

ವ್ರವರಾಷದಲ್ಲೇ ಹೈತಿಗಳುಗಳು ಕೈತಿಗಳಾಗಿತ್ತು.

क्ष्मान्म प्रकुरक्ष त्वेष्यप्त्य, याद्यवी क्षायाप, भव्यक् त्विवीप्तरव्य क्ष्यं व्य क्ष्मान्म प्रकुरक्षाप्त्रे प्रकृष्णान्त्र अव्यक्ष्य क्ष्यं क्ष्यं

ton textends methodel apreals and Break

ත්ත්වයට සහසාය කෙති මුතුම මාගෙන් මාගය කලය කාරයකයා ත්ත්වයට අවසා සම්පුත් අත්තයේ කරුවේ මායේ මොහැකක් හෙමුණ ත්ත්වයට අවසා සම්පුත් ක්රමයේ කරුවේ මායේ මාගේ කම් ලේක ත්ත්වයට අවසා සම්පුත් ක්රමයේ කරුවේ මායේ

मुंद्रमें भागोज्यानमार्वमानि, मंगाव्यवामि, धरीयानक्यानि, धरीमंद्रपंत्रको तमिन्ने भागोजीमा भागवित्र गान्यानाममंद्रपंत्रमें, लीदीमंद्रप्रध्यानि, ध्राय्यमात्रमंद्रपंत्रमें, खर्म नामीने नामीने व्यव्याने व्यव्य

2011 प्रें कार्यास्मिक्याप्रियं कार्य कार्य

कानापूर्व प्रकानकंग्य कल्क्या क्र्येष्यक्ष्ट प्रमाण प्रमाण प्रमाण क्ष्येष्यक्ष्य क्ष्येष्यक्ष्य क्ष्येष्यक्ष्य क्ष्येष्य क्ष्

त्विक्षेत्र क्ष्रिक्ष भाष्ट्रमायक्षेत्र क्ष्येक्ष भाषीः

मिर्मु हिन्दु त्रुची त्राण्यव क्षीमस्त्राम्य कस्मी कार्युट्य हता प्राण्यक्रमां क्ष्मिस्त्र भीति व्याप्ति स्थानिक स्था

3 00 प्रमुख् श्रावक वाया कव्यीय, खालाक श्राव :-

कार्यक क्षेत्रकुर कार्य कार्य

क्रणाप्रवित्ती, तरावाद्वीतावृत्व क्रणाम्मेनीव्यव्ववं वाक्षाव्यं क्रम्णाप्रवित्ये।
संव्यव्यव्यक्ति प्राप्तेयकाति संवित्वं वायव्यं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्णाप्रवाचे स्वेत्वेवन्
त्वात्वेत्रं, त्युत्वाति क्रिक्नान्तित्वं व्यव्यात्वं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्णाप्यं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्यं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्णाप्रवित्यं क्रम्णाप्यं क

णानकाल दर्मित्यों के लाधीपक्ष्यक्ते प्राणक्रका.

हिल्ला मानाय कुरायुक्त करा क्षेत्र सामा करा क्षेत्र

प्रकारिया प्रतिकार काले के लिए क्षित्र कालिया अल्ये काली:

क्याल्य्याप्ताम्भारम्ख्येतुः विकास प्राण्यक्त्यानं क्यां द्रा सार्वाय लगान्य क्याल्य्याप्ताम्भारम्ख्येतुः विकास प्राण्यक्त्यान्यं क्याल्यं व्याप्तायाः विवास प्राण्या विवास विवास विवास व्याप्तायाः विवास व

स्राद्धमातिकात्ववन् काव्य क्षेत्र अत्राव्यक् क्रान्यक्षित्व क्ष्यंत्र क्ष्यंत्य क्ष्यंत्र क्ष्य

ಕೋಲ ಗ್ರಾಮ ಪರಾವಾಯವು ಗ್ರಂಥಾಲಯ ಅಲ್ಲವು ಲಾರ್ಟ್ನೆ:

त्रित्रेत्रेत्रेत्त्रेत् व्यक्तिका क्षित्रक्षेत्र क्षित्रक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष त्राक्षेत्रं कर्त्र वृत्तित्रं तक्षेत्रक्षेत्रं क्ष्रिक्षेत्रं क्ष्रिक्षेत्

साम्बरी- जावतिहरू व्यक्तान्त्र स्था :-

काक्रिक्र, श्वित्रित क्रामाँदि क्रिक्रण आक्रिके क्रामा प्राव्येत्र श्वित्र प्राव्याम् क्रिक्रमा भाववित्र क्रिक्रमा भाववित्र क्रिक्रमा क्र

हा. न्यं कार्य कार्य विश्व कार्य स्था कार्य कार

न्वीववं कार्याची कार्य

काधुक्ववि रहें व्यवस्ति, क्रिस्पून केर्नि संग्रह व्यवस्ति। क्रिस्पून केर्नि संग्रह व्यवस्ति। क्रिस्पून क्रिस्पून स्वाप्ति स्वाप्ति। क्रिस्पून क्रिस्पून क्रिस्पून स्वाप्ति। स्वाप्ति। क्रिस्पून क्रिस्पून क्रिस्पून स्वाप्ति। स्वाप्ति क्रिस्पून स्वाप्ति। स्वाप्ति क्रिस्पून स्वाप्ति। स्वाप्ति क्रिस्पून स्वाप्ति क्रिस्पून स्वाप्ति क्रिस्पून स्वाप्ति क्रिस्पून स्वाप्ति क्रिस्पून क्रिस्पून

त्या प्राप्त प्राप्त क्ष्मिल्य क्ष्

प्री मिट्टिया स्थाप्ता मिट्टि क्षेत्र क्षेत्र

ग्रवेट क्यान:-

ज्यान नीक तळेता.

कान्येटकार्य , प्राकाग्याता, मिश्वास्त्र भस्य कान्यक प्राप्ति क्रम्या काम्यात्र क्रम्यात्र क्रम्यात्य क्रम्यात्र क्रम्या

प्तु अधायतं :

कुळके सुरावित कार्य कार्यकार हमान्य होता कार्य कार कार्य का

कार्यकार व्यक्तिकार्य विकार्यकार्य महिल्लाम् व्यक्तिकार्य कार्यक्षिक व्यक्तिकार्य अक्षितं कहारान में क्रांत क्षेत्रक क्षे में धक्रितिका के कि विक्रिया कारिय के विक्रिय के कि एक प्रमानिक कि कियामण जान कर्नेटा काण्या नार्थेंद्र स्थित्य किया प्रमाणका किन्निय हिन्ति क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्याचित्र क्ष्याचित्र क्ष्याचित्र क्ष्याचित्र क्ष्याचित्र कार्या भ्रमिति कार्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया कर्तेष क्ष्मेंद्र हात्रक्ष हित्ता क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक म अव्यवसार्वका व्यवस्थित राष्ट्रीय अर्थ में अर्थ के व्यवसार कर्म क्षेत्रकार अर्थ के त्रकारमिश्र कर्ष्य कार्य काष्ट्रिंड शास्त्राञ्चलेका

: क्रियांका निर्वाणकारण

त्वाची नाजीका छत्रप्रवर्ण क्याचिता कार्याचा कार्याच कार्याचा कार्याच कार्याचा कार्याचा कार्याचा कार्याच कार्याच कार्याचा कार्याच क - व्याध्न क्याची निक कार्य क्रावान कर्या क्याची क् भित्र भागति वात्रक प्रमास्त्रिक प्रमास्त्र भागति वात्रक भागति वात्रक भागति वात्रक य्वत्वत् त्रित्तिक काष्ट्राध्या प्राथित्या मार्थित्या मार्थित्या क्षेत्र क्षेत्र थिं भीति । अविकाति । किर्याणा , कोर्तरी ना याचे कोर्त भीवते , भक्तान माण्यप करा उठ क्येष्ट्रप्र व्यव्हार्या व्यव्हार क्ये क्ये क्ये व्यव्हार व्यव्हार ज्या निवास निवास क्षित्र क्षियं व्यापा क्षात्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मीरित्रंस क्रिक्सिक्सिन क्रीसिक्सि क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक व्यंत हिर कव्वकव्य व्यंग्वंदियात्रम् व्यंदियात्रम् व्यंदियात्रम् mgoaning क्षेत्र प्राप्ति कार्या कार्यायावित क्षेत्रका भी कार्यका खान त्यित् व्यान्तित्या क्षेत्रा क्षेत्रात कार्य निवास कार्य निवास कार्य निवास कार्य निवास कार्य निवास कार्य निवास कि मार्टिक के कार्या कार्या के कार्य व्हिरिय क्रिक हे जाती हिस होता , हारायक क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र त्येष्याची ३० क्रब्नित्में अ०० जीवनियात्री, क्रव्यात्मिक्यात्र क्रांक देवी वर्ष त्रडास्मी विके, विस्तानिकार किल्या कारण्या किंदी किंदी

िक्याने व्येष्त , क्यान , प्रमाण कालामानी, मार्थान मार्थेत्र मोश्रमभूष्रभवाष् क्षिप्रह महस्मान, राज्यान त्मित्राद्मा कार्या त्यावस त्येद्मात्म प्रवस्थ

हामन् द्वा द्वां के का का का का का का विकास क्षकर् ही देवाते प्रवाधन कालाव कालाव कालाव क्याव्याव्याव्याव्या ಪ್ರವರ್ತ ಉಪುಪ ಪಕ್ಷಯ ಕಾರ್ಬಹರ್ನಯಾಗಿ ಅವು, ಕಾಲಾಕು ನಟ್ಟು ಚನಡ್ಡ इंद्रिका क्राण्याप्तिकार क्रायिक क्रिक्य क्र क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य क क्रिक्ष्यत त्राक्ष्य त्राच्या विकारणाहरू प्रतिकार क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक र्मिकार्थ क्षणपत्र ५० क्षेष्ट्रियार व्ययव्याक्षणका अवर्थ १४ क्षेष्ट्रियार खेक्य निवा (कारेक्य) व्यवस्त्रिती. २०० व्यत् कार्वे म्हिन्सिए, 23 व्यक्तिका, हा दीकार्यम्या १६ कड़ीवं क्वर्य क्वर्य क्वर्य माळवळी क्या क्रियंत्रि त्याचे व्यंत्रहरूप - ७ न्यंत अवात रायतम् वावाधनान यान्ये

वितर देल न्यास्त्र काम उठाठ देल त्यासी क्ष्यां काम काम कारकार्यन कार्क्यकार विद्याप्ति अस्तिक्रिक्य कार्कार्यन कार्क्यकार म्याका कारवा कार्य कार्यां कार कार्यमायाम् हिल्ला न्यात्रिका निर्मा निर्मा त्रिका त्रिका निर्मा हिल्ला निर्मा हिल्ला निर्माण कार्य हिल्ला निर्माण कार्य कारान त्या क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक मिश्विक्यण की (ज्युक्टिश विष्ण प्रकारत की (क्येर तरितर कारवा क्या) का संस्था क्षाण्ड क्रांक्यान्त्रेय क्षेत्रका शुक्ति स्पर्तिकारकात्रात्त्र्य क्षांक क्षां क्ते म्याम्याम् प्रते क्यायमे मिर्टी क्यान्त्र ३ मा प्रक्रीत्रथापर क्राक्यान्त्री निर्मा प्रमुक्तां प्रमुक्त कार्य क्रिया क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका म्हायुत्युयं भाग राजांन्य हार्ये विष्युत्तात्मा यद्युत्य्य्यात्मा अवस्थित्यात्मीय त्यात्मी अक्रव काकार्र त्रिक्त निर्माण्य कार्यार्थ राज्ये राज्ये राज्ये व्यापा कार निर्माण कार क्रांचित केल्य प्राच्या प्राच्या प्राच्या हे व्युव्यामी त्व्युत त्रित्य का च्या छे.

wedn anddy, ended, लामीन मानामानीमान त्यामीनी त्रीति हिमानित हिमानित क्रियानित हिमान men moduli Blacket Bladwedseds sit idedsodsedity widessition म गामा है निवास स्वति के हिल्ली है अनुमार्थ कार्यका स्वति है जिल्ला है अनुमार है जिल्ला है अनुमार है folds alonely today idid a Mir throadeddu. The addition advised threating हिलके स्थापि दिमानसंप्रकारिक सम्पर्ध स्थापिक स्थापिक स्थापिक कर्मिक (व्यक्तान्त्र) व्यक्ति स्वादार्थं महत्त्वेत्रायं व्यक्तिकार्थं व्यक्तिकार्थं व्यक्तिकार्थं व्यक्तिकार्थं अल्लाम् मार्व भेवर्द्ध स्थापार्य स्वव्यक्ति धार्वका स्थापक कर्मास ब्रह्मा कर्त क्षिण्या स्थानकर्ति स्थान्य प्रमानकर्तिकार् क्षा त्रिक्षार्थ त्रेश्तेष्ट्र, स्वत्रेत्र ज्याक (जार्वना), राम्साकाव्यंका है। योग्यावर्त, विवस्त्रात्व याक्ष्मार्त्यु स्वेत्रात्यु व्यक्ति लीक्ष्म भी तिल्ला त्वाला क्षित्र ह्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वेत्र स्वेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र सं थर्नुस् , व्यवेये वेनावं स्वावंय प्यानि प्यान्, ब्रेस्ट्रूबंटेंं , तंवरे वे खंयकार क्रेस गर्भविष् । (अपनेकार्यक अपने अपनि हेर्य रहेर्य हेर्य , त्रेयक्ष्येम, व्युट्ट लख तेक्थ्ये) हिलिक्षण्य देव्येः, देव्येत्यम् काव्येक्येः

ග්රිය කරන් න්වැන්ව දේශ්රින් ද්ය :

लेका लेकडा वर्गार्व वेजारीलांग क्रियालेकी क्रम्थिकावन व्यवस्थान प्रमाणकी कालवाद्, तत्त्वादा क्यावक्तिवद्गा हत्त्वावक धार्यन्त्रम् १५०० व्यवकात्र व्यवकात्र विकार क्षेत्रका कराने हैं तियुक्त इन्त्रेयर क्षेत्रका कार्येन कार्येन क्षेत्रका भावत्रका कार्येन क्षेत्रका कार्येन क्षित क्षेत्रमितात्म् त्रिक क्षेत्रम् द्रिक्ष्यक हत्त्रप्त हत्त्र काठवादी हत्त्रिक क्षात्रीयह व्यन्त कर्ता क्यान क्षेत्रकार , याद्य कार्त्यक हार्ल्यका क्षेत्रमुद्र , क्रक्तितं वास्त्र १० व्य ಎನ್ ಆರ್ರ್ಯ ಎಡ್ಡ್ ಎನ್ನಡ್ ಕ್ಯಾಲ್ಕ್ ಕ್ಯಾಟ್ ಕ್ಯಾಟ್ ಕ್ರಾಟ್ ಕ್ರಾ 2010, प्रार्थ कारीय प्राप्त प्रयोधिय क्षेत्र क्षेत्र की के अपह र्जाल ल्ववर्षां का। कर्षां कार्तिक व्यव्यव्येश्वर्ष, ह्येस्प्राव, क्रिका त्येव्येष्टे कर्महं कर्ष्ट्रहं त्युंन्हं स्थानक स्थानक स्थानक स्थानक स्थानक स्थानक